विश्व धरोहर दिवस

प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को सांस्कृतिक-ऐतिहासिक स्थलों और धरोहरों के संरक्षण हेतु जागरूकता पैदा करने के लिये '**अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस**' (International Day for Monuments and Sites) अथवा '[विश्व धरोहर दिवस]' (World Heritage Day) का आयोजन किया जाता है।

- वर्ष 2022 के लिये विश्व धरोहर दिवस की थीम "**धरोहर और पर्यावरण**" **(Heritage and Climate)** है।

परिचय:

- **इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स** (ICOMOS) ने **वर्ष 1982 में** 'विश्व धरोहर दिवस' की स्थापना की थी और वर्ष 1983 में इसे 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (UNESCO) की मंज़ूरी प्राप्त हुई थी।
- इस दिवस का **उद्देश्य विभिन्न समुदायों के बीच सांस्कृतिक-ऐतिहासिक विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करना** है।

यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल:

- **विश्व धरोहर/विरासत स्थल** का आशय एक ऐसे स्थान से है, जिसे यूनेस्को द्वारा उसके विशिष्ट सांस्कृतिक अथवा भौतिक महत्त्व के कारण सूचीबद्ध किया गया है।
- विश्व धरोहर स्थलों की सूची को '**विश्व धरोहर कार्यक्रम**' द्वारा तैयार किया जाता है, यूनेस्को की 'विश्व धरोहर समिति' द्वारा इस कार्यक्रम को प्रशासित किया जाता है।
- यह सूची **यूनेस्को द्वारा वर्ष 1972 में अपनाई गई** 'विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संधि में सन्निहित है।

भारत में विश्व धरोहर स्थल:

- वर्तमान में भारत में कुल 38 विश्व धरोहर स्थल मौजूद हैं।
- इनमें से 30 'सांस्कृतिक' श्रेणी में हैं, जैसे कि अजंता की गुफाएँ, फतेहपुर सीकरी और हम्पी स्मारक आदि, जबकि 7 'प्राकृतिक' श्रेणी में हैं, जिनमें काजीरंगा, मानस और नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।
  - गुजरात के हड़प्पाकालीन शहर धोलावीरा को भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल का दर्ज़ा दिया गया है।
  - रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) भारत का 39वाँ विश्व धरोहर स्थल था।
  - सिक्किम का **कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान "मिश्रित विश्व विरासत स्थल"** के रूप में नामित भारत का **पहला** और एकमात्र स्थल है।
- वर्ष 2022 में, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने वर्ष 2022-2023 के लिये विश्व धरोहर स्थल के रूप में विचार करने हेतु होयसल मंदिरों के पवित्र समागम को नामित किया है।

यूनेस्को

- यूनेस्को को वर्ष 1945 में स्थायी शांति के निर्माण के साधन के रूप में 'मानव जाति में बौद्धिक और नैतिक एकजुटता' विकसित करने हेतु स्थापित किया गया था।
  - यह **पेरिस, फ्राँस में स्थित** है।
- **यूनेस्को की प्रमुख पहलें**
  - मानव व जीवमंडल कार्यक्रम
  - विश्व विरासत कार्यक्रम
  - यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क नेटवर्क
  - यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क
  - एटलस ऑफ द वर्ल्ड्स लैंग्वेजेज़ इन डेंजर

इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (ICOMOS)

- यह यूनेस्को से संबद्ध एक **वैश्विक गैर-सरकारी संगठन** है। यह भी **पेरिस, फ्राँस में स्थित** है।
- इसका प्राथमिक मिशन स्मारकों, परिसरों और स्थलों के निर्माण, संरक्षण, उपयोग और बढ़ोतरी को प्रोत्साहन देना है।
- यह यूनेस्को के **विश्व धरोहर सम्मेलन के कार्यान्वयन हेतु विश्व धरोहर समिति के एक सलाहकार निकाय के रूप में** भी कार्य करता है।
    - इस रूप में यह सांस्कृतिक विश्व विरासतों के नामांकन की समीक्षा करता है और उनकी संरक्षण स्थिति सुनिश्चित करता है।
- **वर्ष 1965 में इसकी स्थापना** वास्तुकारों, इतिहासकारों और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच शुरू हुई वार्ता का तार्किक परिणाम है, जो बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में शुरू हुई और वर्ष 1964 में 'वेनिस चार्टर' के रूप में संपन्न हुई।

यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. हाल ही में निम्नलिखित में से किस यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है? (2009)

(a) दिलवाड़ा मंदिर
(b) कालका-शिमला रेलवे
(c) भितरकनिका मैंग्रोव क्षेत्र
(d) विशाखापत्तनम से अराकू घाटी रेलवे लाइन

उत्तर: (b)

- **कालका-शिमला रेलवे:** यह 96 किलोमीटर लंबा, सिंगल ट्रैक वर्किंग रेल लिंक है, जिसे 19वीं शताब्दी के मध्य में शिमला के पहाड़ी शहर को सेवा प्रदान करने के लिये बनाया गया था।
- लगभग 111 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक कालका-शिमला रेलवे लाइन, 2008 में यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर रेलवे लाइन बनी और इसे "भारत के पर्वतीय रेलवे" के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

स्रोत: लाइव मिंट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-heritage-day